(72)

अचल संपत्ति का विवरण वर्ष–2016

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण वर्ष ....

1. अधिकारी / कर्मचारी का पूरा नाम श्रीमती भारती नेमा .... 2. वर्तमान धारित पद श्री कोलेक्टर .... 3. कार्यालय का नाम अधी. अभि. (उत्तर–संभाग) जबलपुर

4. वर्तमान वेतन 25,340/– .... 5. भविष्य निधि क्रमांक 25522064 .... 6. कर्मचारी संख्या 85976072 ....

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरें		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी / कर्मचारी से क्या संबंध है।	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा, बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
जबलपुर	भूखण्ड क्र. 1760/2 क्षेत्रफल 3000 वर्ग फुट शुक्लेश्वर क्षेत्र में स्थित। भवन का निर्मित क्षेत्रफल 748 वर्ग फुट।	निरंक	लगभग 25 लाख रु.	स्वयं एवं पति श्री प्रकाशचंद नेमा	वर्ष 88 में श्री सुरेश कुमार पांडे से 1500 वर्गफुट रु. 45,000/- में पति श्री प्रकाश नेमा के नाम पर क्रय कर मंडल से ऋण लेकर भवन निर्माण कराया गया एवं शेष भूखण्ड श्रीमती दुर्गा नेमा से वर्ष 2004 में रु. 2,55,000/- में (स्वयं की बचत, भाई एवं माँ से ऋण लेकर) स्वयं एवं पति के नाम से क्रय किया।	\	\

हस्ताक्षर .... भारती नेमा ....

नाम .... श्रीमती भारती नेमा ....

पद .... अति. वरि. ऑडिटर कम ....

1. जहां लागू न हो काट दीजिए।
2. ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही–सही निर्धारण करना संभव न हो वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए
3. उसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी– मंडल द्वारा ग्राह्य म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम 1985 के नियम 19(1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य लंबित के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।